श्रावण मास, कृष्ण पक्ष 1 वर्ष, अंक 36, पृष्ठ 4, मूल्य 1.00

अखण्ड भारत सन्देश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज शुक्रवार, 11 सितम्बर, 2020

विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान की एक अनुपम भेंट

सीमा पर तनाव के बीच जयशंकर की चीनी विदेश मंत्री के साथ लंबी बैठक

जयप्रकाश रंजन, नई दिल्ली। एलएसी पर तनाव के बीच गुरुवार को मॉस्को में भारत और चीन के विदेश मंत्रियों के बीच करीब ढाई घंटे बातचीत हुई। विदेश मंत्री एस जयशंकर और चीन के विदेश मंत्री वांग यी मॉस्को में शंघाई सहयोग संगठन (सीएसओ) के विदेश मंत्रियों के सम्मेलन में हिस्सा लेने पहुंचे थे। विदेश मंत्रालय के सूत्रों ने बताया कि बातचीत में जयशंकर ने भारत के इस मत को मजबूती से सामने रखा कि एलएसी पर अमन व शांति के बिना द्विपक्षीय संबंध मजबूत नहीं हो सकते।

मई, 2020 में चीनी सैनिकों के वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) का अतिक्रमण किए जाने के बाद जयशंकर व वांग यी के बीच यह पहली मुलाकात थी। मॉस्को में हुई मुलाकात के बारे में देर रात तक दोनों पक्षों की तरफ से कोई बयान जारी नहीं किया गया। इससे यह संकेत मिलता है कि बातचीत का कोई सकारात्मक निष्कर्ष नहीं निकला। पिछले हफ्ते दोनों देशों के रक्षा मंत्रियों की भी मॉस्को में इसी हालात में बातचीत हुई थी और उसके बारे में भी आधिकारिक तौर पर बहुत देर बाद सूचना दी गई थी।

गुरुवार को द्विपक्षीय मुलाकात से पहले भी जयशंकर व वांग यी दो अन्य अवसरों पर एक-दूसरे के सामने आए। एक बार शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के विदेश मंत्रियों की बैठक में और दूसरी बार रूस-भारत-चीन (आरआइसी) के विदेश मंत्रियों

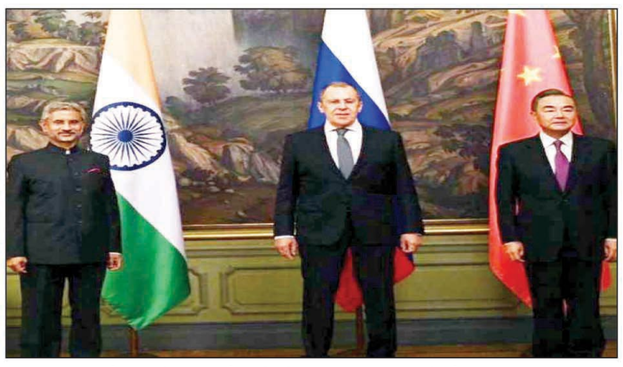

की सालाना बैठक में। इन बैठकों में जयशंकर और वांग यी ने वैश्वीकरण, वैश्विक शांति, विज्ञान व तकनीकी विकास जैसे मुद्दे पर एक-दूसरे के मतों का समर्थन भी किया।

आरआइसी की बैठक के बाद संयुक्त बयान में वैश्विक शांति व सह-अस्तित्व के लिए साथ मिलकर काम करने और अंतरराष्ट्रीय मान्य कानूनों के पालन की बात कही गई। इस दौरान भारत और चीन को वार्ता की मेज पर लाने की रूस की भूमिका भी दिखी। इस बीच ग्लोबल टाइम्स ने कहा कि जयशंकर व वांग की बैठक बेनतीजा रही तो मौजूदा तनाव के शांतिपूर्ण हल की उम्मीद भी खत्म हो जाएगी।

उधर, पूर्वी लद्दाख से खबर है कि गुरुवार को दोनों देशों के ब्रिगेड कमांडर एवं कमांडिग ऑफिसर स्तर की बातचीत का दौर जारी रहा। इस बातचीत के भी किसी खास नतीजे पर पहुंचने की सूचना नहीं है। हालांकि कमांडर स्तर की इस बातचीत को आगे भी जारी रखने की सहमित बनी है और अगली सैन्य वार्ता कोर कमांडर स्तर पर होने की संभावना है। चीनी सेना की तरफ से एलएसी पार करने की कोशिश के बाद से अभी तक दोनों सेनाओं के बीच छह दौर की लेफ्टिनेंट जनरल स्तर की या कोर कमांडर स्तर की बातचीत हो चुकी है। लगातार बातचीत जारी रहने के बावजूद विवाद बढ़ता ही गया है।

चीन मई 2020 से पहले वाली स्थिति पर अपने सैनिकों को लौटाने को तैयार नहीं है। वहीं भारत का कहना है कि उसको इससे कम कुछ भी मंजूर नहीं है। सूत्रों ने कहा है कि भारत संवाद के हर स्तर को बनाए रखने में भरोसा करता है। अगर कोई शांति की राह निकलेगी तो यह बातचीत से ही निकलेगी। भारतीय सैनिकों ने चीनी सेना को घेरने की रणनीति जमीन पर उतारनी शुरू कर दी है।

पिछले एक पखवाड़े में चीनी सेना की तरफ से बेहद आक्रामक रवैया दिखाने के पीछे एक वजह यह भी है कि पैंगोंग झील के दक्षिणी इलाके के कई महत्वपूर्ण ऊंचे इलाकों पर भारतीय सैनिकों ने डेरा डाल दिया है। अब वहां से चीनी सेना की गतिविधियों पर आसानी से नजर रखी जा रही है। चीनी सेना की तरफ से भारतीय सेना को पीछे करने की कोशिशें भी हो रही हैं। हालांकि उन्हें कोई सफलता हाथ नहीं लगी है।

पिछले दो दिनों में चीन की सेना ने कोई आक्रामक रवैया नहीं दिखाया है। संभवतः जयशंकर और वांग यी के बीच होने वाली बातचीत के नतीजे की प्रतीक्षा की जा रही है। वार्ता के विभिन्न दौर के बीच चीन का प्रोपेगंडा वार भी तेज है। चीन का सरकारी मीडिया ग्लोबल टाइम्स गुरुवार को भी लगातार भारत विरोधी बयानों और आलेखों को अपनी वेबसाइट पर जारी करता रहा।

ग्लोबल टाइम्स के एक संपादक ने ट्वीट किया कि यदि सर्दियों तक भारतीय सेना एलएसी से पीछे नहीं हटती है तो उसे भीषण सर्दी में हार का सामना करना पडेगा। कई भारतीय सैनिक भीषण सर्दी या कोविड-19 से मारे जाएंगे। एक आलेख में जयशंकर और वांग यी की वार्ता को मौजूदा हालात को शांतिपूर्ण तरीके से सुलझाने की अंतिम कोशिश करार दिया गया है। यदि इसमें कोई नतीजा नहीं निकला तो यह दुनिया को एक खतरनाक संदेश होगा कि इस विवाद को शांतिपूर्ण तरीके से नहीं सुलझाया जा सकता।

कोरोना से मौतें 76 हजार के पार, 96,000 नए मामलों के साथ संक्रमितों का आंकड़ा 45 लाख से ज्यादा, 34,71,783 हुए ठीक

नई दिल्ली, जेएनएन। देश में गुरुवार को कोरोना संक्रमण के 96 हजार से अधिक मामले सामने आए। इस तरह अब तक संक्रमित हुए लोगों की संख्या 45 लाख से अधिक हो गई है। वहीं 24 घंटों में 1,272 लोगों की मौत के साथ मरने वालों का आंकड़ा 76 हजार के पार हो गया है। हालांकि देश में ठीक होने वालों की रफ्तार तेज होने से ठीक होने की दर 77.77 फीसद और मरने वालों की दर 1.69 फीसद हो गई है। पीटीआइ के अनुसार, देर शाम दी गई जानकारी के अनुसार देश में संक्रमितों 96,492 नए मामले सामने आने से संक्रमितों की कुल संख्या 45,48,797 हो गई है। वहीं 1272 और मौतों के बाद मरने वालों की संख्या बढ़कर 76,207 हो गई है। इस दौरान 72,274 लोगों को अस्पताल से छुट्टी मिल गई। अब तक कुल

34,71,783 लोग इस बीमारी को मात देकर स्वस्थ हो चुके हैं। देश में फिलहाल 9,19,018 सक्रिय मामले हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार महाराष्ट्र, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु कोरोना से सर्वाधिक पीड़ित राज्य हैं। इनमें देश के 62 फीसद सक्रिय मामले हैं। आइसीएमआर के अनुसार बुधवार को देश भर में 11,29,756 नमूनों की जांच की गई। इस तरह अब देश में 5,29,34.433 लोगों की जांच हो चुकी है। गुरुवार को तमिलनाडु में 5,528 नए मामले सामने आए। इस तरह राज्य में अब तक चपेट में आने वालों की संख्या बढ़कर 4.86 लाख हो चुकी है। वहीं 64 और मौतों के बाद कुल मृतक संख्या बढ़कर 8,154 हो गई है। राज्य में सक्रिय मरीजों की संख्या में गिरावट दर्ज की गई है। राज्य में इस समय 49,203 सक्रिय मामले हैं। आंध्र प्रदेश में गुरुवार को 10,175 नए मामले सामने आए। इस तरह राज्य में अत तक संक्रमित हुए लोगों की संख्या बढ़कर 5.37 लाख हो चुकी है। राज्य सरकार के बुलेटिन के अनुसार 24 घंटों के दौरान 10,040 लोग स्वस्थ हुए वहीं 68 लोगों ने इस बीमारी से दम तोड़ दिया। कोरोना से बुरी तरह प्रभावित महाराष्ट्र में गुरुवार को 23,446 मामले दर्ज किए गए। इन नए मामलों से अब तक चपेट में आने वालों की संख्या 9,90,795 हो गई है। वहीं 448 और मौतों से अब तक इसी बीमारी से राज्य में 28,282 लोग दम तोड़ चुके हैं। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार इस दौरान 14,253 लोगों को अस्पतालों से छुट्टी मिली। राज्य में ठीक होने की दर 70.72 फीसद हो गई है।

पूर्व सांसद और माफिया अतीक के दफ्तर के और दो हिस्से की हुई कुर्की

प्रयागराज। पूर्व सांसद और माफिया अतीक अहमद के कर्बला स्थित दफ्तर के दो हिस्से को आज और कुर्क कर दिया है। इस अचल संपत्ति को आज खुल्दाबाद पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट के तहत सीज किया। कुछ दिन पहले डीएम भानु चंद्र गोस्वामी गोस्वामी ने खुल्दाबाद और करेली थाना क्षेत्र में स्थित छह अचल संपत्ति को कुर्क करने का आदेश दिया था।

इसी क्रम में आज इंस्पेक्टर खुल्दाबाद विनीत सिंह, दारोगा सियाकान्त चौरसिया फोर्स के साथ कर्बला स्थित कार्यालय पहुंचे। इसके बाद दफ्तर के दो हिस्सों को जो अलग-अलग मकान नंबर से हैं, उन्हें कुर्क करने कार्रवाई की। साथ ही

कार्रवाई करती पुलिस

दफ्तर की दीवार पर जिलाधिकारी का कुर्की संबंधी आदेश लिखवाया गया। खुल्दाबाद के ही सुल्तानपुर भावा और चकिया में दो अन्य संपत्ति है जिन पर कार्रवाई की जानी है। इसके अलावा करेली में भी दो मकान पूर्व सांसद के नाम हैं जिन्हें जब्त किया जाना है। इससे पहले धूमनगंज खुल्दाबाद और सिविल लाइंस में 60 लाख की कीमत वाले सात मकान कुर्क किये जा चुके हैं। सिविल लाइंस में नजूल की भूमि पर बना एक मकान ध्वस्त किया जा चुका है।

अतीक का भूखंड कुर्क करने को खाली कराया जा रहा कोल्ड स्टोर

पूर्व सांसद व माफिया अतीक अहमद के खिलाफ कार्रवाई का सिलसिला जारी है। बुधवार को झूंसी के कटका स्थित अतीक के भूखंड को कुर्क करने के लिए उस पर बने कोल्ड स्टोर को खाली कराने की कार्रवाई शुरू की गई। पहले दिन पांच हजार बोरी आलू ही निकाला जा सका। इसमें 22 हजार बोरी आलू जमा है। किसानों का आलू निकालने के बाद कुर्की की जाएगी। गुरुवार को भी सुबह से आलू निकालने का काम जारी रहा।

भारत में भी रोका गया एस्ट्राजेनेका की वैक्सीन का ट्रायल

नई दिल्ली/न्यूयॉर्क, एजेंसियां। एक वॉलेंटियर की शिकायत के बाद एस्ट्राजेनेकाने अपनी कोरोना वैक्सीन के अंतिम दौर के ट्रायल को टाल दिया है। समाचार एजेंसी आइएएनएस के मुताबिक, इस वाकए के कुछ ही घंटे बाद व्हाइट हाउस के कोरोना टास्क फोर्स में शामिल अमेरिका के शीर्ष चिकित्सा विशेषज्ञों ने एलान किया कि अब कोविड-19 वैक्सीन तभी लॉन्च होगी जब वह पूरी तरह से सुरक्षित होगी। उधर इस वाकए के बाद भारत में भी इस वैक्सीन के ट्रायल को फिलहाल रोक दिया गया है।

समाचार एजेंसी एएनआइ के मुताबिक, सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया ने कहा कि हम गंभीरता से स्थिति की समीक्षा कर रहे हैं और जब तक कि एस्ट्राजेनेका परीक्षण शुरू नहीं करती है... भारत में परीक्षणों को रोक रहे हैं। हम ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया के निर्देशों का पालन कर रहे हैं। फिलहाल परीक्षणों पर आगे टिप्पणी नहीं कर पाएंगे।

सीरम इंस्टीट्यूट ने बताया, 'अभी ट्रायल फिर शुरू होने के बारे में कुछ नहीं कहा जा सकता है।' बुधवार को दवा नियामक ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया (डीसीजीआइ) वीजी सोमानी ने कंपनी को कारण बताओ नोटिस भेजा था कि दुनिया के बाकी देशों में ट्रायल रुकने के बाद भी कंपनी ने लोगों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए ट्रायल रोका क्यों नहीं।

ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के साथ मिलकर एस्ट्राजेनेका इस वैक्सीन को

विकसित कर रही है। पहले दो चरण में सफलता के बाद अब दुनियाभर में इसका तीसरे चरण का परीक्षण चल रहा है। ब्रिटेन में वैक्सीन लगाने के बाद एक वॉलंटियर की तबीयत खराब हो जाने के कारण इसका ट्रायल रोकना पड़ा है। हालांकि कंपनी को उम्मीद है कि जल्द ही फिर इसका ट्रायल शुरू किया जा सकेगा।

दूसरी ओर अमेरिका में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ के निदेशक फ्रांसिस कोलिन्स ने वैक्सीन की सुरक्षा पर सीनेट की सुनवाई के दौरान कहा कि जैसे ही वे कहेंगे कि यह प्रभावी है मैं इस पर काम करने के लिए तैयार रहूंगा। एनआईएच प्रमुख फ्रांसिस कोलिन्स और अमेरिकी सर्जन जनरल जेरोम एडम्स ने अमेरिकियों को भरोसा देने की मांग की कि शॉट्स को विकसित करने में सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

हालांकि एस्ट्राजेनेका ने अभी तक यह खुलासा नहीं किया है कि वैक्सीन से हुई बीमारी क्या है। ट्रायल के दौरान सामने आई यह बीमारी वैक्सीन परीक्षण के दुष्प्रभाव का नतीजा है या उससे अलग कोई नई बीमारी है। कंपनी ने बीमारी के बारे में कुछ भी नहीं बताया है। हालांकि एनआईएच प्रमुख फ्रांसिस कोलिन्स ने कहा कि यह रीढ़ की हड्डी की समस्या है। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट में कहा गया है कि यह सूजन से संबंधित सिंड्रोम है जो रीढ़ को प्रभावित करता है।

चौंकाने वाली बात है कि यह ताजा घटनाक्रम बॉब वुडवर्ड के एक नई किताब में खुलासे के बाद हुआ है। उक्त किताब में ट्रंप से बातचीत का हवाला देते हुए कहा गया है कि अमेरिकी राष्ट्रपति वायरस से खेलना चाहते थे जबकि उनको पता था कि यह वायरस कितना घातक था। किताब में कहा गया है कि ट्रंप को पता था कि यह बीमारी हवा के जरिए फैल रही है बावजूद इसके उन्होंने सार्वजनिक रूप से अर्थव्यवस्था को फिर से खोलने के लिए दबाव डाला।

हाल के महीनों में उस खबर के बाद तो चिंताएं और बढ़ गई जिसमें कहा गया था कि ट्रंप सुरक्षित और प्रभावी वैक्सीन साबित होने से पहले ही अमेरिकी खाद्य और औषधि प्रशासन (एफडीए) पर इसको जल्दबाजी में मंजूरी देने के लिए दबाव डालने वाले हैं। चौंकाने वाली बात यह कि एफडीए प्रमुख डॉ. स्टीफन हैन पहले ही कह चुके हैं कि एजेंसी दोगुनी उपलब्धता के साथ वैक्सीन लोगों के बीच में लाने के लिए कानूनी प्रक्रिया तक को बाइपास करने को तैयार है।

अब लंबे समय तक नहीं लटकेंगी भ्रष्टाचार मामलों की फाइलें, लिए बड़े फैसले

नई दिल्ली, पीटीआइ। केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों में तैनात मुख्य सतर्कता अधिकारियों (सीवीओ) की ओर से भ्रष्टाचार की शिकायतों से निपटने में की जाने वाली देरी से केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) परेशान है। फाइलें लंबे समय तक न लटकें इसके लिए आयोग ने ऐसी शिकायतों का निपटारा करने के लिए समयसीमा निर्धारित करने समेत कई अन्य व्यवस्थागत बदलाव करने का फैसला किया है। इस क्रम में अधूरे संदर्भों पर स्पष्टीकरण मांगने के लिए आयोग अब बार-बार सीवीओ को रिमाइंडर्स नहीं भेजेगा। सभी सीवीओ और संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों को गुरुवार को जारी आदेश के मुताबिक, आयोग ने कार्रवाई का ऐसा तरीका तय किया है जिसका लंबित शिकायतों या संदर्भों को अंतिम रूप देने और सलाह देने में पालन किया जाएगा। सीवीसी के मुताबिक, अतिरिक्त जानकारियों या स्पष्टीकरणों के लिए काफी समय से लंबित ऐसे सभी मामलों या शिकायतों की संबंधित अतिरिक्त सचिव की देखरेख में 30 सितंबर, 2020 तक आयोग में आंतरिक रूप से समीक्षा की जाएगी। अतिरिक्त जानकारी या स्पष्टीकरण के लिए संबंधित शाखा अधिकारी द्वारा विभाग या संगठन के सीवीओ को सिर्फ एक रिमाइंडर भेजा जाएगा जिसका उन्हें एक निश्चित तिथि (अधिकतम 15 दिन) तक जवाब देना होगा। अगर कोई जवाब प्राप्त नहीं हुआ तो संबंधित अतिरिक्त

सचिव और सीवीसी विभाग या संगठन के सीवीओ से बात करेंगे और सात दिनों (तारीख निर्धारित करते हुए) में जवाब भेजने के लिए कहेंगे।अगर फिर भी जवाब नहीं मिला तो एक हफ्ते में सीवीओ के साथ वीडियो कांफ्रेंस के लिए तारीख तय की जाएगी और सचिव या अतिरिक्त सचिव या शाखा अधिकारी जवाब हासिल करेंगे। जवाब नहीं मिलने की सूरत में उचित कार्रवाई के लिए फाइल आयोग को सौंप दी जाएगी। दरअसल, आयोग में मामलों की जांच और उनके निपटारे के दौरान पाया गया कि आयोग द्वारा संदर्भित शिकायतों और आयोग की पहली अथवा दूसरे चरण की सलाह के लिए संदर्भित सतर्कता मामलों में प्राप्त रिपोर्टों पर संबंधित विभागों या संगठनों से अतिरिक्त जानकारियां या स्पष्टीकरण मांगने के लिए सीवीओ को कई-कई रिमाइंडर्स भेजे जाते हैं। आयोग द्वारा ये जानकारियां इसलिए मांगी जाती हैं क्योंकि सीवीओ की ओर से भेजे गए संदर्भ या तो अधूरे होते हैं या उन पर सही परिप्रेक्ष्य में विचार अथवा विश्लेषण नहीं किया गया होता है।

नमामि देवी नर्मदे योजना में भी घोटाला, पौधे लिए बिना ही कर दिया दो करोड़ रुपये का भुगतान

अभिषेक दुबे, भोपाल। मध्य प्रदेश के उद्यानिकी विभाग की यंत्रीकरण योजना में घोटाले के बाद इसी विभाग की एक और योजना में दो करोड़ रुपये का घोटाला सामने आया है। यह नमामि देवी नर्मदे योजना-2016 से संबंधित है। यह मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के पिछले कार्यकाल की महत्वाकांक्षी योजना रही है। उद्यानिकी विभाग के ही एक अधिकारी ने दिसंबर 2019 में इसमें अनियमितता को लेकर राजभवन को शिकायत की थी। मार्च 2020 में संयुक्त संचालक (उद्यान), जबलपुर संभाग मनोज मेश्राम ने जांच शुरू की। छह माह की जांच के बाद उन्होंने रिपोर्ट उद्यानिकी संचालनालय को सौंप दी है। इसमें सामने आया है कि निजी नर्सरी संचालकों को अधिकारियों ने उन पौधों के लिए भी भुगतान कर दिया है, जिसकी आपूर्ति ही नहीं की गई। केवल कागजों पर आपूर्ति दिखा दी गई। करीब ढाई लाख पौधे नर्सरी से लिए गए ही नहीं। इसके एवज में दो करोड़ रुपये का भुगतान भी कर दिया गया। इसके तहत पूरे प्रदेश में जिन क्षेत्रों से नर्मदा नदी गुजरी है, वहां दोनों किनारों पर एक किमी के दायरे में पौधारोपण किया जाना था। इसके लिए 550 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया गया था। इसमें से 41 करोड़ रुपये से पौधों की खरीदी होनी थी। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने इस योजना के तहत ही सर्वाधिक पौधे लगाने का दावा गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज कराने के लिए किया था। भोपाल उद्यानिकी संचालनालय में पदस्थ योजना के प्रभारी राजेंद्र कुमार राजौरिया पर आरोप है कि उन्होंने इस मामले में गलत भुगतान के लिए वरिष्ठ उद्यान विकास अधिकारी केपी मेहता पर दबाव डाला। मेहता ने भौतिक सत्यापन की रिपोर्ट आए बिना भुगतान से मना किया तो उनका तीन बार तबादला किया गया। परेशान मेहता ने इसकी शिकायत राजभवन में कर दी।

सुशांत की बहन ने कंगना रनोट का किया समर्थन, राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग की

नई दिल्ली, जेएनएन'। बुधवार को बीएमसी द्वारा मुंबई में कंगना रनोट के कार्यालय के हिस्सों को ध्वस्त करने के बाद सुशांत सिंह राजपूत की बहन श्वेता सिंह कीर्ति ने अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की और महाराष्ट्र में 'राम राज' की मांग करते हुए राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग की है। सोशल मीडिया पर उनके इस ट्वीट का बहुत लोगों ने समर्थन भी किया हैं' मुंबई में कंगना रनोट के कार्यालय को बीएमसी अधिकारियों ने एक बड़ा झटका देते हुए इसके हिस्सों को ध्वस्त कर दिया।

कंगना और महाराष्ट्र सरकार के बीच चल रहे वाकयुद्ध के बीच, बीएमसी के अधिकारियों ने 'अवैध

निर्माण' का हवाला देते हुए पाली हिल्स स्थित कंगना के कार्यालय के हिस्सों को ध्वस्त कर दिया है। कंगना के वकीलों ने बॉम्बे उच्च न्यायालय से स्टे लिया है कि वे विध्वंस कार्य को रोक दें। तब से कंगना ट्विटर पर महाराष्ट्र सरकार के खिलाफ बोल रही हैं। अब सुशांत सिंह राजपूत की बहन श्वेता सिंह कीर्ति भी कंगना के समर्थन में आगे आई है। ट्विटर पर श्वेता ने कंगना के इस ट्वीट पर अपना गुस्सा जाहिर करते हुए लिखा, 'हे भगवान! यह किस तरह का गुंडा राज है? इस तरह का अन्याय बर्दाश्त नहीं किया जा सकता? क्या महाराष्ट्र में राष्ट्रपति शासन इस अन्याय का जवाब हो सकता है? आइए। राम राज को फिर से स्थापित करें।' श्वेता के इस ट्वीट का कई फॉलोअर्स ने समर्थन किया है। एक यूजर ने लिखा है, 'एक महिला जो अकेली रह रही है मुंबई शहर में, उसे सुरक्षा देने की बजाय उसका घर ही तोड़ देने की बात कर रहे है ? ये कैसी सरकार है? ये कैसा कानून है? अब महिलाओं का अकेले रहेना भी मुश्किल लग रहा है इस हादसे के बाद। नारी की इज्जत करोगे तो इज्जत मिलेगी।अत्याचार करोगे तो गाली मिलेगी।' एक महिला जो अकेली रह रही है मुंबई शहर में, उसे सुरक्षा देने की बजाय उसका घर ही तोड़ देने की बात कर रहे है ? ये कैसी सरकार है? ये कैसा कानून है? अब महिलाओं का अकेले रहेना भी मुश्किल लग रहा है इस हादसे के बाद। नारी की इज्जत करोगे तो इज्जत मिलेगी। अत्याचार करोगे तो गाली मिलेगी। वहीं एक अन्य ने लिखा है, 'राष्ट्रपति शासन समय की मांग है, अगर वे खुले तौर पर कंगना के साथ ऐसा कर सकते हैं तो वे अपराधियों को बचाने के लिए क्या-क्या कर सकते।

'वायु वीर' राफेल वायुसेना में, रक्षामंत्री ने भारत के दुश्मनों को दी चेतावनी

अंबाला, जेएनएन/एएनआइ। अत्याधुनिक युद्धक विमान राफेल विधिवत रूप से भारतीय वायुसेना में शामिल हो गए। इस अवसर पर वीरवार को आयोजित समारोह में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि यह भारत की सीमा पर नजर रखने वालों और भारत के दुश्मनों के लिए बड़ी और कड़ी चेतावनी है। राफेल के शामिल होने से भारतीय वायुसेना की ताकत और बढ़ गई है। उन्होंने फ्रांस के साथ भारत के बीच रक्षा सहयोग के मजबूती की भी चर्चा की। फ्रांस की रक्षामंत्री फ्लारेंस पर्ले ने भी समारोह को संबोधित किया। उन्होंने भारत-फ्रांस के बढ़ते रक्षा सहयोग को विश्व शांति के लिए महत्वपूर्ण बताया।

इससे पहले अंबाला एयरबेस पर आयोजित समारोह के दौरान राफेल, तेजस, सुखोई और जगुआर विमान एयर शो में शानदार करतब दिखाए। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह पांच राफेल विमानों को वायुसेना में औपचारिक रूप से शामिल किया। समारोह को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने राफेल को वायुसेना में शामिल किए जाने पर वायुसेना को बधाई दी। उन्होंने भारत और फ्रांस के बीच रक्षा सहयोग की चर्चा की। उन्होंने कहा

कि दोनों देशों के बीच रक्षा संबंध विश्व शांति के लिए अहम हैं। उन्होंने कहा कि राफेल का भारतीय वायुसेना में शामिल होना भारत की सीमाओं पर नजर रखनेवाले देशों के लिए बड़ी चेतावनी है। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि राफेल युद्धक विमानों को भारतीय वायुसेना में शामिल होना पूरी दुनिया के लिए एक बड़ा और कड़ा संदेश है, खासकर हमारी संप्रभुता पर नजर रखने वालों के लिए यह खास चेतावनी है। हमारी सीमाओं पर जिस तरह का माहौल बना है उसमें राफेल का वायुसेना में शामिल होना बेहद अहम है। राजनाथ सिह ने कहा, मैं आज भारतीय वायुसेना के अपने सहयोगियों को बधाई देना चाहता हूं। सीमा खासकर एलएसी पर हाल ही में हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना के दौरान भारतीय वायु सेना द्वारा की गई तेज कार्रवाई आपकी प्रतिबद्धता दिखाती है। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने फ्रांस की रक्षामंत्री फ्लारेंस पर्ले के साथ बातचीत के बारे में भी जानकार दी। उन्होंने कहा, मैंने आज फ्रांस की रक्षामंत्री के साथ उपयोगी चर्चा की। हमने रक्षा औद्योगिक क्षेत्र की पहचान और सैन्य सहयोग के लिए सेना पर काम जारी रखने का फैसला किया है।

राजनाथ सिंह ने कहा कि अपनी हालिया विदेश यात्रा में मैंने भारत के दृष्टिकोण को दुनिया के सामने रखा। मैंने सभी को किसी भी परिस्थिति में अपनी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता से समझौता नहीं करने के अपने संकल्प के बारे में अवगत कराया। हम अपनी सीमाओं और देश की संप्रमुता की रक्षा के लिए हर संभव प्रयास करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि राफेल का भारतीय वायुसेना में शामिल होना भारत और फ्रांस के बीच मजबूत संबंधों का भी प्रतीक है। दोनों देशों के बीच रणनीतिक संबंध भी मजबूत हुए हैं। रक्षामंत्री ने राजनाथ सिंह ने फ्रांस के साथ रक्षा सहयोग के बारे में चर्चा की और रक्षा क्षेत्र में निवेश व सहयोग-समन्वय के लिए भी उन्होंने निमंत्रण दिया। राजनाथ सिंह ने भारतीय वायुसेना के विभिन्न युद्धों में शानदार प्रदर्शन का उल्लेख भी किया। समारोह को रक्षामंत्री फ्लारेंस पार्ले ने भी संबोधित किया। उन्होंने भारत और फ्रांस के बीच रक्षा सहयोग का उल्लेख किया। उन्होंने उम्मीद जताई की यह और मजबूत होगा। इस अवसर पर फ्रांस की रक्षामंत्री फ्लारेंस पार्ले भी समारोह में मौजूद हैं। एयर शो के बाद राफेल को वायुसेना में शामिल करने के औपचारिक कार्यक्रम की शुरूआत हुई है। कार्यक्रम में वायुसेना अध्यक्ष आरकेएस भदौरिया संबोधित किया और राफेल विमानों का स्वागत किया।

ग्रामीण अंचल

प्रयागराज शुक्रवार, 11 सितम्बर, 2020

शंकरगढ़ में एक साथ मिले 14 कोरोना पॉजिटिव केस

शंकरगढ़। शंकरगढ़ क्षेत्र में कोरोना का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। मार्च माह से ही यहां मरीजों का मिलना शुरू हुआ, जो अब तक अनवरत जारी है। समय के साथ यहां पर कोरोना मरीजों की संख्या बढ़ती गई। ताजा रिपोर्ट पर गौर करें तो शंकरगढ़ क्षेत्र में कुल 14 नए कोरोना पॉजिटिव केस पाए गए हैं। एक साथ दर्जनभर से अधिक केस मिलने से स्वास्थ्य विभाग में भी हड़कंप मचा हुआ है।

कोरोना संक्रमित लोगों में नगर पंचायत शंकरगढ़ में दिवाकर सिंह

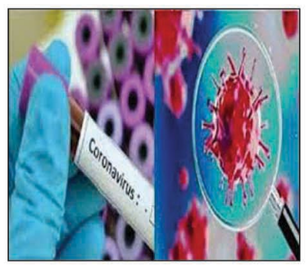

(49) बाबा मार्केट, अवनीश त्रिपाठी (38) राजा कोठी, लालमणि कोल (55) मोटियान टोला, शिवराजपुर व बेनीपुर में राजू विश्वकर्मा (42), धीरज विश्वकर्मा (21), निराला नगर में अंटू, अमिलिया तरहार में वीरेंद्र शुक्ला (45), प्रदीप राम भारतीय, बघला में विद्यासागर (55), नौढिया तरहार में अनीता देवी (25) कोरोना से संक्रमित मिले हैं। इसी तरह प्रतापपुर में अर्पित (4) मवैया नारीबारी में बीना सिंह (55) के अलावा सोनू प्रजापति, आरती दुबे (सीधी टिकट), सावित्री देवी (शंकरगढ़) कोरोना से संक्रमित पाई गई हैं। दिवाकर, अनीता देवी और अवनीश त्रिपाठी का डॉ अनूप की देखरेख में घर पर ही इलाज किया जा रहा है।

नाली बिवाद को लेकर दबंगो ने की पूर्व प्रधान की पिटाई

सैदाबाद। सैदाबाद के पूर्व प्रधान इन्द्र लाल कनौजिया ने बताया कि बीते 9 सितबंर को पुराने बिवाद को लेकर पड़ोस के रहने वाले मो जावेद, जैनब बेगम, जमशेद, फैसल, नसीरू उद्धीन, जलाल उद्धीन, मो आबिद, मो मंसूर, मो अफसर आदि ने घर पर चढ़कर गाली देने लगे। पीड़ित के टोकने पर दबंगो ने मिलकर उसकी व उसके परिवार की जमकर पिटाई की। पड़ोसियो व ग्रामीणो के द्धारा बीच बचाव करने पर आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए भाग निकले। पीड़ित ने मामले की जानकारी इलाकाई पुलिस को दी लेकिन पुलिस ने अब तक कोई कार्यवाही नही की। सैदाबाद चौकी इंचार्ज अरूण कुमार मौर्य ने बताया कि आरोपियो के खिलाफ जल्द कार्यवाही की जायेगी।

तालाब की जमीन पर बसे लोगों के खिलाफ एसडीएम की कार्यवाही, मचा हड़कंप

करछना। विकास खंड करछना के ग्राम पचायत बरदहा के अतर्गत स्थित तालाब पर कई वर्षो से गाव के कई लोग मकान बनाकर कब्जा किया हैएजिसपर इसके पूर्व राजस्व विभाग द्धारा नोटिस देकर तालाबी रकबे पर से कब्जा हटाने का निर्देश दिया था जिसपर कब्जा धारक अपना कब्जा नही हटाया। जिसको लेकर तहसील प्रशासन की ओर से कब्जा धारको के खिलाफ जुमार्ने के साथ कब्जा हटाये जाने की नोटिस पहुचते ही कब्जा धारको मे हडकंप मच गया।बता दे कि इस गाव मे दर्जनभर से अधिक लोग तालाब की भूमि पर पक्का मकान बनाकर रहे रहे है वही उनकी देखीदेखा आस.पास के लोग भी छप्पर आदि डालकर तालाब की भूमि की अधिकाश भाग पर कब्जा कर रखा है। एसडीएम आकांक्षा राना ने मातहतो को दिशा निर्देश देते हुए हिदायत देते हुए कहा कि तालाब की जमीन पर निर्माण आदि पूरी तरह गैर कानूनी है जिसे नियमतः खाली करना ही होगा तथा उक्त तालाब को खाली कराकर जलाशय आदि के लिए सरक्षित किया जाएगा और कब्जाधारको दी गई नोटिस की समय सीमा के अतर्गत कब्जा न हटाये जाने पर सख्त कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

हाईकोर्ट समाचार

हाईकोर्ट : यूपी में होने वाले पंचायत चुनावों में आनलाइन नामांकन की व्यवस्था करने की याचिका पर सरकार से मांगा जवाब

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने यूपी में होने वाले त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों में आनलाइन नामांकन की व्यवस्था का प्रावधान नियमावली में करने की मांग में दाखिल जनहित याचिका पर प्रदेश सरकार से दो सप्ताह में संक्षिप्त जवाब मांगा है। यह आदेश जस्टिस शशिकान्त गुप्ता व जस्टिस शमीम अहमद की खंडपीठ ने गोपाल कृष्ण पाण्डेय की जनहित याचिका पर दिया है। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता भरत प्रताप सिंह का कहना था कि प्रदेश में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव दिसम्बर 2020 अथवा उसके तुरंत बाद से शुरू होने की सम्भावना है। सरकार चुनाव की तैयारी में जुट गयी है। परन्तु कोरोना महामारी के चलते लोगों को बाहर निकलने व चुनाव प्रक्रिया में शामिल होने में परेशानी हो सकती है। बाहर निकलने से वायरस फैलने का भय हमेशा लगा रहने की सम्भावना रहेगी। ऐसे में यूपी क्षेत्र पंचायत व जिला पंचायत (निर्वाचन) नियमावली 1994 में आवश्यक संशोधन किए जाने की आवश्यकता है ताकि लोग आनलाइन नामांकन कर सके। कहा गया कि आनलाइन नामांकन की व्यवस्था तभी संभव होगा जब चुनाव नियमावली में इस आशय का जरूरी संशोधन प्रदेश सरकार करे। हाईकोर्ट ने मामले की गम्भीरता को देखते हुए इस जनहित याचिका को स्वीकार करते हुए सरकार की तरफ से कोर्ट में हाजिर अपर महाधिवक्ता मनीष गोयल से दो सप्ताह में सरकार का संक्षिप्त जवाब मांगा है। कोर्ट ने इस जनहित याचिका पर अगली सुनवाई के लिए 22 सितम्बर की तिथि नियत की है। इस केस की सुनवाई के लिए कोर्ट ने इसे फ्रेस केस के रूप में कोर्ट में सूचीबद्ध किए जाने का निर्देश दिया है।

टीचर भर्ती में शामिल शिक्षामित्र को आवेदन में त्रुटि सुधार का आदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 69 हजार सहायक अध्यापक भर्ती 2019 में शामिल शिक्षामित्र को उसके आवेदन फॉर्म में की गई मामूली त्रुटि सुधारने का अवसर देने का आदेश दिया है। कोर्ट ने कहा है कि याची अपना प्रत्यावेदन सम्बंधित प्राधिकारी को दें और वे उस पर नियमानुसार आदेश पारित करें। कामेंद्र सिंह की याचिका पर यह आदेश न्यायमूर्ति पंकज भाटिया ने दिया। याची के अधिवक्ता का कहना था कि याची आवेदन में अपने शिक्षामित्र के अनुभव वाला कॉलम भरना भूल गया है। इस सम्बंध में उसने बेसिक शिक्षा विभाग को प्रत्यावेदन देकर त्रुटि सुधार का अनुरोध किया था। मगर उस पर कोई निर्णय नहीं लिया गया। अधिवक्ता का कहना था कि सुप्रीम कोर्ट ने मामूली त्रुटियों को सुधारने का मौका देने का आदेश दिया है। इसलिए याची को भी सुधार का मौका दिया जाए। कोर्ट ने याची को दो सप्ताह के भीतर अपना प्रत्यावेदन बेसिक शिक्षा विभाग को देने का निर्देश दिया है। और बेसिक शिक्षा विभाग को चार सप्ताह में याची के प्रत्यावेदन पर निर्णय लेने के लिए कहा है।

एक ही मुद्दे पर दुबारा दाखिल याचिका पांच हजार हजार्ने के साथ खारिज

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक याचिका खारिज होने के बाद वही याचिका दुबारा दाखिल कर न्यायिक प्रक्रिया का दुरुपयोग करने पर पांच हजार हजार्ना लगाया है। और याचिका खारिज करते हुए हजार्ना राशि एक माह में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में जमा करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने 50 हजार हजार्ना लगाया था, किन्तु याची के महिला होने के आधार पर हजार्ना राशि कम करने की प्रार्थना पर घटा दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा तथा न्यायमूर्ति समित गोपाल की खंडपीठ ने गुड्डी की एक ही मुद्दे पर दुबारा याचिका दाखिल करने पर दिया है। मालूम हो कि याची की भूमि का अधिग्रहण 2011 मे किया गया। अवार्ड से असंतुष्ट याची ने याचिका दाखिल कर मुआवजा बढ़ाने की मांग की। कोर्ट ने रिफरेन्स दाखिल करने के वैकल्पिक अधिकार के आधार पर याचिका खारिज कर दी। इसी प्रार्थना को लेकर दुबारा याचिका दाखिल की गयी थी। सरकारी अधिवक्ता का कहना था कि याचिका पर याची का पति राम गोपाल पैरोकार है। कोर्ट ने 5 हजार हजार्ना के साथ याचिका खारिज कर दी ।

गलत मेडिकल रिपोर्ट तैयार करने वाले डाक्टर के खिलाफ कार्यवाही का निर्देश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सीएमओ झाँसी को निर्देश दिया है कि वह कोर्ट को गुमराह करने वाली गलत मेडिकल रिपोर्ट पर हस्ताक्षर करने वाले दोषी डाक्टर के खिलाफ विभागीय जांच कर कड़ी कार्रवाई करे। कोर्ट यह देखकर हतप्रभ हुई कि आपराधिक घटना में घायल को डाक्टरों ने 13 चोटें बतायी और तीन घंटे के भीतर दूसरी मेडिकल रिपोर्ट में केवल चार चोटें ही दिखायी गयी है। जानबूझकर कोर्ट को गुमराह करने के लिए रिपोर्ट तैयार की गई। कोर्ट ने इस स्थिति को देखते हुए जानलेवा हमला करने के आरोपियों की कुछ शर्तों के साथ जमानत अर्जी मंजूर कर ली है। 28 जून 20 से दोनो जेल मे बंद है। कोर्ट ने इन्हे जमानत पर रिहा करने का निर्देश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति राहुल चतुवेर्दी ने शिव प्रताप सिंह उर्फ राम सिंदूर एवं शिवम गुर्जर की अर्जी को स्वीकार करते हुए दिया है। याची अधिवक्ता का कहना था कि आधे घंटे के भीतर झाँसी के समथर थाने में दो एफआईआर दर्ज करायी गयी है। एक मनोज कुमार व दूसरी वन्दना द्वारा दर्ज करायी गयी। प्राथमिकी में लाठी, हाकी, देशी तमंचे से हमला करने का आरोप लगाया गया है। श्याम जी को गोली लगी है। दो मेडिकल रिपोर्ट हैं। एक में 13 चोटें तो दूसरी में केवल चार चोटें दिखायी गयी है। दोनो रिपोर्टें दाखिल कर घटना की विश्वसनीयता पर सवाल खडे.किये गये हैं। जिसे कोर्ट ने गंभीरता से लिया है और जांच कर दोषी डाक्टर के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा है कि याची जमानत की शर्तों का पालन न करे तो जमानत निरस्त की जा सकती है।

सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक को बकाया वेतन देने का निर्देश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पूर्व माध्यमिक विद्यालय नगरा, बलिया के सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक हरिश्चन्द्र सिंह को अंगद यादव केस के विधि सिद्धांत के तहत बकाये वेतन का भुगतान करने का निर्देश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति एम.सी त्रिपाठी ने हरिश्चन्द्र सिंह की याचिका को स्वीकार करते हुए दिया है। मालूम हो कि राज्य सरकार ने प्राथमिक विद्यालयो के लिए शिक्षा सत्र में बदलाव किया। जुलाई के बजाय अप्रैल से शिक्षा सत्र चलाने का निर्णय लिया। नियमानुसार शिक्षा सत्र के बीच में सेवानिवृत्त होने वाले अध्यापक सत्रांत तक कार्यरत रहेगे और सत्रांत की आखिरी तारीख को सेवानिवृत्त होगे। सत्र अप्रैल से होने के कारण जिन्हे 30 जून को सेवानिवृत्त होना था उन्होंने सत्रांत 31 मार्च तक कार्यरत रहने की मांग मे याचिका दायर की। कोर्ट ने जुलाई से हटाये गये अध्यापकों को कार्यभार ग्रहण कराने का निर्देश दिया। याची ने भी 20 दिसंबर 15 को कार्यभार ग्रहण किया। किन्तु उसे 1 जुलाई से 20 दिसंबर तक का वेतन नही दिया गया। जिस पर यह याचिका दाखिल की गयी थी।

घूरपुर थाना प्रशासन नें चलाया सघन चेकिंग अभियान, काटे चालान

करमा । घूरपुर थाना प्रशासन नें विगत मंगलवार कों थानाध्यक्ष भुवनेश्वर चौबे के नेतृत्व में घूरपुर बाजार सहित विभिन्न स्थानों पर देर शाम सघन चेकिंग अभियान चलाकर लोगों कों कोविड - 19पर जागरुक किये साथ ही बिना मास्क एवम हेलमेट न पहनने वालें लोगों के ऊपर विधिक कार्यवाही कर कोरोना महामारी पर जागरुक भी किये । उक्त अभियान के दौरान युवा समाजसेवी एवम घूरपुर व्यापार मंडल अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह एडवोकेट भी मौजूद रहें श्री पटेल नें कहा कि प्रशासन अपने प्राणों की परवाह न करतें हुए दिन-रात हमारी सुरक्षा कर रहें हैं ऐसे में हम सभी लोगों का भी नैतिक दायित्व हैं कि स्वयं सुरक्षित रहें एवम समाज कों भी सुरक्षित रखने का कार्य करें साथ ही सभी लोगों से सामाजिक दूरी एवं मास्क पहनने के लिए भी आग्रह किये। उक्त जागरुकता अभियान में अरुण राय, वीरेंद्र प्रताप सिंह सहित विभिन्न घूरपुर थाने के सिपाहियों के साथ घूरपुर व्यापार मंडल के कोषाध्यक्ष दीप चन्द्र पटेल मौजूद रहें ।

कोरांव में दस दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न

कोरांव। स्टार्टअप ग्रामीण उद्यमिता कार्यक्रम सीवीइपी के तहत ब्लॉक कोरांव में दस दिवसीय सीआरपीइपी प्रशिक्षण का समापन सफलता पूर्वक मेंटर प्रिया वर्मा के देखरेख किया गया जिसमे सीआरपीइपी के पद लिखित व मौखिक परीक्षा में पास हुए 26 उम्मीदवारों को सीवीइपी कार्यक्रम के लिए प्रशिक्षित किया गया। ये सभी प्रशिक्षित उम्मीदवार ब्लॉक रिसोर्स सेंटर बीआरसी के लिए कोरांव में कार्य करंगे। स्टार्टअप ग्रामीण उद्यमिता कार्यक्रम सीवीइपी जो ऐनारलम का एक फ्लेगशिप कार्यक्रम है जिसके तहत समूह की महिलाओ के लिए व जो आर्थिक रूप पिछड़ी महिलाये है उनको आर्थिक मजबूती प्रदान करेगा यह

प्रशिक्षण के दौरान मौजूद समूह की महिलायें

कार्यक्रम। इस कार्यक्रम के तहत समूह की दिदियो को उद्यम चलाने के लिए वित्तीय मदद करेगा। ये सभी सीआरपीइपी समूह की दिदियो को सीवीइपी से जोड़ने का कार्य करंगे व उन्हें सीवीइपी कार्यक्रम के तहत जागरूक करेंगे। दस दिवसीय सीआरपीइपी प्रशिक्षण का कार्यक्रम भारतीय उधमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद द्वारा आयोजित किया गया। जिसका सफलता पूर्वक प्रशिक्षण मेंटर प्रिया वर्मा के द्वारा किया गया जो सीवीइपी कार्यक्रम को एसआरएलएम के साथ मिलकर फैसिलेट कर रही है।

बिजली की अंधाधुंध कटौती से लोग बेहाल

मऊआइमा। मऊआइमा में बिजली आपूर्ति एक आसाध्य रोग बन गया है। इस विभाग पर आज तक कोई अंकुश नहीं लगा सका है।बिजली की अंधाधुंध कटौती से उपभोक्ता आजिज आ चुके हैं।

मऊआइमा क्षेत्र में कई माह से विधुत आर्पित एक आसाध्य रोग बन गया है । इस उमस भरी गर्मी में बिजली की अंधाधुंध कटौती से हर कोई आजिज आ चुका है । स्थानीय उपभोक्ताओं का आरोप है कि बिजली के आने और जाने का कोई समय नहीं है । चौबीस घंटे में दस घंटा भी बिजली उपभोक्ताओं को नहीं मिल पा रही है ।मऊआइमा नगर पंचायत में बिजली न होने से सारे कारोबार बंद पडे हुए हैं ।बिजली विभाग हर माह लम्बा चौडा बिल जरूर बना

कर भेज देता है । उपभोक्ताओं का आरोप है कि यहां के कर्मचारियों पर किसी का कोई अंकुश नहीं है । सब निरंकुश हो गए हैं। जनता इस उमस भरी गर्मी में कराह रही है । विधुत विभाग के अधिकारियों से लेकर कर्मचारियों तक सभी उपभोक्ताओं से ऊपरी कमायी का स्रोत तलाश रहे हैं। स्थानीय उपभोक्ताओं ने शासन से निरंकुश हो चुके कर्मचारियों पर अंकुश लगाते हुए मऊआइमा में पूर्व की भांति बिजली आपूर्ति बहाल कराने की मांग की है।

ट्रिपल आईटी का पन्द्रहवां दीक्षान्त समारोह बारह को

प्रयागराज। भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, प्रयागराज का पन्द्रहवां दीक्षांत समारोह कोरोना के मद्देनजर ऑनलाइन 12 सितम्बर को आयोजित है। जिसमें कुल 403 छात्र-छात्राओं को विभिन्न उपाधियां प्रदान की जायेगी एवं दस मेधावियों को पीएचडी उपाधि से अलंकृत किया जायेगा। यह जानकारी गुरूवार को संस्थान के निदेशक प्रो. पी. नागभूषण ने आनलाइन वेबिनार में पत्रकारों से वार्ता करते हुए बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष डॉ. के. सिवान होंगे एवं प्रो. पी. नागभूषण, अध्यक्ष शासी मण्डल एवं निदेशक भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान समारोह का सभापतित्व करेंगे। उन्होंने बताया कि कोरोना महामारी को ध्यान में रखते हुए इस बार का दीक्षांत समारोह का आयोजन आनलाइन माध्यम से किया जा रहा है। संस्थान के निदेशक ने बताया कि संस्थान की ओर से बीटेक, एमटेक, एमबीए-आईटी वर्ष 2016 के प्रत्येक तीन सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थियों को स्वर्ण, रजत एवं कांस्य पदकों से अलंकृत किया जायेगा। दस छात्रों (ऋचा आनंद, राजेश माहुले, रजनीश कुमार, अमृत पाल, अंजली गौतम, भर्तुहरि पांडिया, नेहा मिश्रा, विवेक कुमार सिंह, शिशु पाल कुमार तथा राजेश कुमार झा) को पीएचडी की उपाधि प्रदान की जायेगी। प्रो. नागभूषण ने बताया कि बी.टेक (आईटी-2016) 145, बी.टेक (आईटी-2015) 02 और बी.टेक बी.टेक (इलेक्ट्रॉनिक कम्युनिकेशन इंजी-2016) के 66, बी.टेक (इलेक्ट्रॉनिक कम्युनिकेशन इंजी-2015) एक को उपाधि प्रदान की जायेगी। इसके अलावा एम.टेक (आईटी) के 85, एम.टेक (इलेक्ट्रॉनिक कम्युनिकेशन इंजी) के 13, एम.टेक (बी.आई.) के 7, एम.बी.ए के 16 को उपाधि प्रदान की जायेगी। ड्यूल डिग्री बीटेक आईटी-एमटेक आईटी के 50, ड्यूल डिग्री बीटेक एम.बी.ए. के 8 छात्र-छात्राओं को उपाधि प्रदान की जायेगी। इसके अलावा पीएचडी के 9 और एमटेक में पीएचडी पूरी करने वाले एक छात्र को उपाधि से अलंकृत किया जायेगा। इसके अलावा चेयरमैन स्वर्ण पदक, वैभव श्रीवास्तव को प्रदान किया जायेगा। डॉ.टी.सी.एम पिल्लई स्मृति स्वर्ण पदक बी.टेक आईटी 2016 की छात्रा गरिमा चड्ढा, नोबेल वैज्ञानिक प्रो.क्लाउड कोहेन तानोजी स्वर्ण पदक बीटेक आईटी 2016 की छात्रा तान्या अग्रवाल, प्रो. डॉ. इंग मथियास क्लेनर स्वर्ण पदक बी.टेक आईटी 2016 के छात्रा निहारिका श्रीवास्तव, प्रो.जौली कोहेन तानोजी स्वर्ण पदक एमटेक बीआई 2018 की छात्रा शिवानी गुप्ता को प्रदान किया जायेगा।

वॉलीबाल खिलाड़ी मो.शफीक की मृत्यु पर शोक

हनुमानगंज। मंडौर (हनुमानगंज) निवासी पूर्व वॉलीबाल खिलाड़ी व उत्तर रेलवे के से.नि.कर्मचारी मो.सफीक अहमद के आकस्मिक निधन पर जनपद के खिलाड़ियों ने जिला वॉलीबाल संघ के सचिव आर.पी.शुक्ला की अध्यक्षता में स्थानीय जगतपुर स्थित बर्फी लाल यादव के आवास पर एक शोक सभा आयोजित की गई। जिसमें प्रयागराज जिले के कई वरिष्ठ खिलाड़ी व संघ के पदाधिकारियों ने दो मिनट का मौन रखकर मृत आत्मा की शांति एवं शोकाकुल परिवार को दुःख की इस घड़ी में सहनशक्ति प्रदान करने हेतु ईश्वर से प्रार्थना की। विदित हो कि मृतक का स्वास्थ्य कुछ दिन पहले अचानक बिगड़ जाने पर परिजनों द्वारा उन्हें अस्पताल में भर्ती किया गया था,जहां दो दिन तक इलाज के दौरान अचानक उन्हें हार्टअटैक आ गया और उनकी मृत्यु हो गई। जबकि स्वास्थ्य विभाग द्वारा उन्हें कोरोना पॉजीटिव बताया जा रहा है। उक्त वॉलीबाल खिलाड़ी की आकस्मिक मृत्यु पर शोक सभा के अवसर पर मुख्य रूप से काशी प्रसाद यादव, एस.के.सचान, फूल चंद्र गुप्ता, सी.पी.मिश्रा, प्रभाकर चौबे, सियाराम यादव, मो.यूनुस अंसारी, राजित राम शुक्ला, डॉ.सुभाष चंद्र यादव,संतोष कुमार गुप्ता, उमेश यादव आदि रहे।

पूर्व विधायक के जन्मदिन पर समर्थकों ने की दीर्घायु की कामना

शंकरगढ़। करछना के पूर्व विधायक और सांसद केशरी देवी पटेल के पुत्र दीपक पटेल का जन्मदिन समर्थकों ने धूमधाम के साथ मनाया। मंदिर जाकर दीपक पटेल के दीघार्यु की कामना भी की। इसके उपरांत शिक्षक बृजेश सिंह की अगुवाई में उनके घर पर केक काटकर एक दूसरे को खिलाया गया। कार्यकताओं ने कहा कि पूर्व विधायक दीपक पटेल ने शंकरगढ़ और करछना क्षेत्र के विकास के लिए अनगिनत कार्य किए। यह हम सभी के लिए गर्व की बात है। कार्यकर्ताओं ने कहा कि दीपक पटेल शंकरगढ़ के ही मूल निवासी हैं,यह हम सब के लिए उससे भी बड़े गर्व की बात है। कोरोना महामारी को देखते हुए कार्यकताओं ने पूर्व विधायक दीपक पटेल को फोन और वीडियो कॉल के जरिए ही जन्मदिन की बधाई दी। इस मौके पर बृजेश सिंह

केक काटकर एक दूसरे का मुंह मीठा करते हुए

(शिक्षक), अखिलेश सिंह पटेल, निवर्तमान मंडल अध्यक्ष, युवराज सिंह सभासद शंकरगढ़ नगर पंचायत, दिलीप सिंह ठेकेदार, कमलेश आदिवासी नामित सभासद, कुशल जैन मंडल मंत्री भाजपा, वीरेंद्र सिंह पटेल जिला मंत्री युवा मोर्चा भाजपा आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इसीतरह शंकरगढ़ क्षेत्र के लोगों ने भी पूर्व विधायक दीपक पटेल के जन्म दिन पर बधाई दी।नगर के गोपाल दास गुप्ता,रामखेलावन गुप्ता, चतुर्भुज दास गुप्ता, छविलाल सिंह, मान बहादुर सिंह, प्रधान शैलेन्द्र सिंह, विजय सिंह,अजय सिंह, महेश कुमार,सुरेश कुमार, समाजसेवी सतीश विश्वकर्मा, राजकुमार आदि ने भी दीर्घायु की कामना करते हुए बधाई दिया।

भारत का किसान, यूरिया के लिए परेशान

खीरी। किसान भारत के अन्नदाता कहे जाते हैं इन्हें अब बिना आधार कार्ड के यूरिया नहीं मिल रहा है। वर्तमान हालात खीरी में स्थिति पुरादत्तू सहकारी समिति में करीब 70 बोरी यूरिया है वहीं लगभग 200 लोगों का आधार कार्ड जमा कराया गया है। जिससे आधे से अधिक किसानों को मायूस ही लौटना पड़ेगा। वहीं किसानों को आधार कार्ड से कुछ अनहोनी होने का भी भय सताता रहता है। पुरादत्तू सहकारी समिति में सरकारी रेट पर यूरिया का पैकेट ?275 में काफी जद्दोजहद के उपरांत मिल रहा है । वही मायूस किसान बता रहे हैं कि मार्केट में ?400 प्रति बैग यूरिया दुकानदार बेचते हैं ।वह भी आज गुरुवार को नहीं है ।ऐसे हालात में अन्नदाता किंकर्तव्यविमूढ़ बने हुए हैं किसानों में वर्तमान सरकार के व्यवस्था के प्रति आक्रोश बना हुआ है। चर्चा यह भी है चोरी-छिपे सहकारी समिति पूरादत्तू से पास के मधयप्रदेश के कई गांव में यूरिया

यूरिया खाद के लिए किसानों की लगी भारी भीड़

बेचा गया। लेकिन वहीं उत्तर प्रदेश के खीरी क्षेत्र के किसान यूरिया से वंचित रह गए। सहकारी समिति के जिम्मेदार लोग से जानकारी के अनुसार आठ ट्रक यूरिया बेचा गया वही मार्केट से भी दर्ज नों ट्रक यूरिया का सप्लाई ऊंचे दामों में किया गया जिस से किसानों का जमकर शोषण हुआ। वही खीरी क्षेत्र में धान का फसल का क्षेत्र हजारों एक-ड़ है जिसमें सैकड़ों ट्रक यूरिया की आवश्यकता होती है ऐसे में सभी किसानों को यूरिया मिल पाना वर्तमान हालात में असंभव ही दिख रहा है। पूरा ले तू साधन सहकारी समिति में गुरुवार को यूरिया वितरण के दौरान कई बार खीरी बड़ा गांव मार्ग भी बाधित हो गया। कई किसान जल्द बाजी और भीड़ से निकलने हेतु सिर पर यूरिया लाद कर निकल लिए। क्षेत्र में यूरिया का मांग अब भी बना हुआ है।

अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार ने हॉकी खिलाड़ियों को बांटे मास्क और सैनिटाइजर

सिरसा। प्रयागराज झूंसी त्रिवेणी पुरम ग्राउंड में अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार एशोसिएशन ने हॉकी खिलाड़ियो को मास्क और सैनिटाइजर का किया गया वितरण। विश्वमहामारी कोरोना वायरस संक्रमण जानलेवा बीमारी के प्रति जागरूप करते हुए इस दौरान हॉकी खिलाड़ियों को कोविड-19 के प्रति जागरूक करते हुए सोशल डिस्टेसिंग का नियम पालन करते हुए जागरूक किया गया। श्रीमतीं अनिता राज महिला जिलाध्यक्ष प्रयागराज अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार एशोसिएशन ने कहा कि कोरोना वायरस एक महामारी बीमारी घोषित हो चुकी है। इसका बचाव में ही बचाव हैं, झूंसी त्रिवेणी पुरम ग्राउंड में यह जागरूकता का संदेश देते हुए अंतराष्ट्रीय मानवाधिकार एशोसिएशन के पदाधिकारियों ने मास्क और सैनिटाइजर वितरण करते हुए कहा कि कोरोना वायरस जैसे महामारी से बचने के लिए आम आदमी को आगे आने चाहिए। और हमे कुछ सावधानियां बरतनी है और अपने आस पड़ोस को भी जागरूक करना है। हमे अपने शरीर की सफाई साबुन व सैनिटाइजर से हाथ साफ करके, छिंक आने पर रुमाल का इस्तेमाल करने मास्क का इस्तेमाल करने व आपसी अभियादन हाथ जोड़कर नमस्ते करना चाहिए। श्रीमतीं अनिता राज अध्यक्ष ने खेलाड़ियों के प्रति जागरूप करते हुए कहा कि आप सब भी एक दूसरे से सामाजिक दूरी बना कर रखे और कोरोना के प्रति सजक और जागरूप रहिए। श्रीमतीं अनिता राज महिला अध्यक्ष प्रयागराज ने कहा कि आपदा की इस घड़ी में लोगो के बीच मे मास्क और सैनिटाइजर का वितरण करना पूण्य का कार्य हैं ।और समाज के लोगो से कहा कि वे भी गरीब और निसहायो के बीच मास्क और सैनिटाइजर का वितरण करे। इस मौके पर श्रीमतीं अनिता राज महिला जिलाध्यक्ष अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन, कुमार साहू, प्रदीप केशरवानी, विजय सिंह, सुधीर वर्मा, ब्रजेश कुमार यादव, अमित कुमार कुशवाहा, पारस जैन, महेंद्र जैन, हिमांशु, आशीष गोयल, राजेश यादव, अजय सरोज, अनुराग, मोहम्मद हारून आदि लोग उपस्थित रहे।

प्रयागराज हलचल

संक्षेप समाचार

महिला पार्षद को दी गई जान से मार देने की धमकी

नैनी। नैनी के चक भटाही वार्ड संख्या 59 की महिला पार्षद इंजीनियर नीलम यादव पुत्र स्वर्गीय राम यज्ञ यादव ने गुरुवार को नैनी कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर बताया है कि गुरुवार दोपहर में उनके मोबाइल पर दो अलग-अलग नंबरों से कॉल आया और रिसीव करने पर अज्ञात व्यक्ति ने उनके साथ अभद्रता करने लगा। विरोध करने पर उन्हें जान से मार देने की धमकी तक दे डाला। जिससे वह डरी व सेहमी हुई हैं। पुलिस तहरीर लेकर मामले की जांच पड़ताल करने में जुटी हुई है।

अतीक अहमद के चकिया ऑफिस को किया गया सील

प्रयागराज। बाहुबली पूर्व सांसद अतीक अहमद का चकिया स्थित कार्यालय को पुलिस ने सील कर दिया है । बताया जा रहा है कि कैंट थाने में दर्ज गैंगस्टर एक्ट के मुकदमें में चकिया कार्यालय को जब्त करने की कार्रवाई खुदा बाद पुलिस ने की है । खुल्दाबाद पुलिस ने बताया कि इसके पहले मुनादी कराई गई थी ' फिर गुरुवार को इस को सील कर दिया गया है।

जिला उद्योग बन्धु की बैठक सम्पन्न

जिलाधिकारी ने उद्यमियों से सम्बंधित प्रकरणों को समयबद्धता एवं गुणवत्ता के साथ निस्तारित करने के दिए निर्देश

प्रयागराज। जिलाधिकारी भानु चन्द्र गोस्वामी की अध्यक्षता में गुरूवार को संगम सभागार में उद्योग बन्धु की बैठक आयोजित की गयी। बैठक में जिलाधिकारी ने सभी सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को उद्योग बन्धुओं की समस्याओं को प्राथमिकता पर निस्तारित करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि उद्योग धंधो को बढ़ावा देना सरकार की प्राथमिकता वाले बिन्दुओं में से एक है, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही एवं उदासीनता नहीं होनी चाहिए। बैठक में सिक्योरटी मनी पर ब्याज समायोजन में लापरवाही बरतने पर बिजली विभाग के नैनी प्रखण्ड के अधिशाषी अभियंता पर नाराजगी व्यक्त करते हुए सिक्योरिटी मनी पर व्याज सेटलमेंट के प्रकरण को निस्तारित करने के निर्देश दिये है। जिलाधिकारी ने मे0 तिरूपति वेकर्स प्रा0लि0 नैनी के प्रकरण में विद्युत विभाग को इलेक्ट्रीसिटी ड्यूटी में छूट पर उचित कार्यवाही करने का निर्देश दिया। उद्योग बन्धुओं द्वारा सोरांव बाजार में रोड किनारे स्लोपिंग सही ढंग से न होने पर जिलाधिकारी ने सहायक अभियंता को निर्देशित किया कि तत्काल जाकर उसकी वीडियो क्लीपिंग आज सायं तक उपलब्ध करायें जाने तथा जो भी कमिया है, उसको 25 सितम्बर तक ठीक करने के निर्देश दिये है। जिलाधिकारी ने मे0 एस0पी0आर0एल0 फूड लि0 से सम्बंधित प्रकरण में एस0पी0आर0ए0 को समय से प्रकरण का निस्तारित करने के लिए कहा है। मे0 हजेला इण्डस्ट्रीयल प्रा0लि0 औद्योगिक स्थान सोरावं प्रकरण में विद्युत विभाग द्वारा दिए गए इस्टीमेट पर सम्बंधित के द्वारा आपत्ति किए जाने पर जिलाधिकारी ने फाफामऊ के अधिशाषी अभियंता को प्रकरण की जांच करते हुए निस्तारित करने का निर्देश दिया है। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी-श्री आशीष कुमार, उपायुक्त उद्योग-श्री ए0के0 चैरसिया सहित सभी सम्बंधित अधिकारीगण एवं उद्योग बन्धु उपस्थित रहे।

बैठक की अध्यक्षता करते जिलाधिकारी

उतरांव में हिंदी उर्दू के एक अच्छे साहित्यकार का निधन

उतरांव। उतराव गांव निवासी सैयद वारिस हसन जैदी जिनकी उम्र 83 वर्ष हो चुकी थी। बुधवार देर रात में उनकी सांसे रुक गई। आपको बता दें कि सैयद वारीस हसन जैदी जो नावेल लेखक थे। जिनके द्वारा लगभग सैकड़ों से ज्यादा लेख लिखी गई थी। वही उनके द्वारा लिखी गयी किसको पुकारूं प्रिंट पुस्तक को लाखो लोगो ने पढ़े। जो लोगों में छा गई थी। इनके द्वारा लगभग सैकड़ों से ज्यादा कहानियां लिखी जा चुकी हैं। वही 83 वर्ष की उम्र में सैयद वारिस हसन जैदी जो हिंदी व उर्दू के एक अच्छे साहित्यकार थे जिनके निधन हो जाने से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ पड़ी। वही उनके भतीजे सैयद खादी अब्बास जैदी व अहमद अब्बास जैदी ने बताया कि दफन कर्बला के पास स्थित कब्रिस्तान में किया जाएगा।

अखाड़ा परिषद् ने बैंक फर्जीवाड़ा पर जतायी नाराजगी, किया कार्रवाई की मांग

कंगना राणावत को बताया देश की बेटी

मुख्यमंत्री यागी अपराधियों पर कर रहे कड़ी कार्रवाई

प्रयागराज। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के बैंक खाते से क्लोन चेकों के जरिए फर्जीवाड़ा किए जाने पर अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद ने कड़ी नाराजगी जताई है। साधु संतों की सर्वोच्च संस्था अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत नरेंद्र गिरि ने दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। महंत नरेंद्र गिरि ने गुरूवार को कहा कि बड़ी रकम निकालते समय बैंक अधिकारियों को भी इस मामले का संज्ञान रखना चाहिए था। लेकिन कहीं न कहीं बैंक कर्मचारियों से भी इस पूरे मामले में चूक हुई है। इसकी भी जांच होनी चाहिए। उन्होंने श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय को लेकर कहा है कि वह जिम्मेदार और बुद्धिमान व्यक्ति हैं, निश्चित तौर पर इस मामले में वह जरूर ठोस कार्रवाई करेंगे। महंत नरेंद्र गिरी ने राम जन्मभूमि पर बनने वाले भव्य मंदिर में इस तरह की बाधा डालने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की भी मांग की है। बॉलीवुड की अभिनेत्री कंगना रानावत को अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद का भी समर्थन मिला है। अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष ने कंगना रानावत को देश की बेटी बताया और कहा कि कंगना बहादुर और हिम्मत वाली बेटी है। जिसने बॉलीवुड के माफियाओं और ड्रग माफियाओं के रैकेट का भंडाफोड़ किया है। उन्होंने निडर होकर बॉलीवुड में एक विशेष समुदाय के वर्चस्व के खिलाफ खुलकर आवाज उठाई है। इससे न केवल बॉलीवुड के माफिया डर गए हैं, बल्कि सरकार के भी कदम उखड़ रहे हैं। यही वजह है कि सच को दबाने के लिए ठाकरे सरकार ने कंगना राणावत के कार्यालय पर बुलडोजर चलवाया और बदले की कार्रवाई की है। हालांकि महाराष्ट्र हाईकोर्ट ने कंगना राणावत को बड़ी राहत देते हुए ध्वस्तीकरण की कार्रवाई पर रोक लगाई है। लेकिन सुशांत सिंह मर्डर केस में जिस बहादुरी से कंगना ने ड्रग और बॉलीवुड माफियाओं का सामना किया है उससे लोगों में बौखलाहट है।

महंत नरेन्द्र गिरि

नरेंद्र गिरि ने कहा कि महाराष्ट्र में कानून व्यवस्था की हालत बेहद खराब है। पालघर में दो साधुओं की हुई हत्या के मामले में भी महाराष्ट्र सरकार ने कोई कार्रवाई नहीं की है। कहा कि अखाड़ा परिषद ने पालघर मामले में भी सीबीआई जांच की मांग की है। उन्होंने कहा कि कंगना रानावत की इस लड़ाई में साधु-संत और पूरा देश उनके साथ है। उन्होंने हिमाचल प्रदेश सरकार को कंगना रानावत को सुरक्षा देने के लिए धन्यवाद भी दिया है।

सूबे की योगी सरकार प्रदेश के जिन बड़े अपराधियों और माफियाओं के खिलाफ कार्रवाई कर रही है, उसमें प्रयागराज के बाहुबली पूर्व सांसद अतीक अहमद का भी नाम शामिल है। जो इन दिनों गुजरात की अहमदाबाद जेल में बंद हैं। लेकिन अतीक अहमद की आर्थिक रुप से कमर तोड़ने के लिए उनकी अपराध से अर्जित की गई कई अवैध और बेनामी सम्पत्तियों के खिलाफ पुलिस और प्रशासन की कार्रवाई लगातार जारी है। कैंट थाने में दर्ज गैंगस्टर एक्ट के मुकदमें में जहां झूंसी के कटका में तीन बड़े भूखंडों पर स्थित पूर्व सांसद अतीक अहमद के कोल्ड स्टोरेज को कुर्क करने की कार्रवाई बुधवार से शुरू कर दी गई है। वहीं गुरुवार को अतीक अहमद के चकिया स्थित कार्यालय को भी जब्त करने की कार्रवाई करने खुल्दाबाद पुलिस पहुंची। पुलिस ने मुनादी कर अतीक कार्यालय के दो हिस्से को कुर्क करने के साथ ही दोनों गेटों पर ताला लगाकर उसे सील कर दिया है। जबकि एक हिस्से को पुलिस पहले ही कुर्क कर चुकी है।

अतीक अहमद के वकील निसार अहमद सिद्दीकी के मुताबिक अतीक अहमद का कार्यालय आठ हिस्सों को मिलाकर बना हुआ है। इससे पहले 2007 में भी अतीक के कार्यालय को सील किया गया था। जिसे बाद में अतीक ने कोर्ट से रिलीज करा लिया था। इसके साथ ही अतीक के चकिया स्थित आवास के पीछे के हिस्से की एक प्रापर्टी को भी खुल्दाबाद पुलिस ने जब्त कर लिया है। पुलिस ने दीवार पर पेंट से लिखवा दिया है कि डीएम के निर्देश पर जब्तीकरण की ये कार्रवाई की गई है। वहीं, अतीक अहमद की सम्पत्तियों की कुर्की के दौरान वहां उनके वकील भी पहुंचे थे। लेकिन डीएम के कुर्की आदेश को देखकर वे कोई विरोध नहीं कर सके। अब तक अतीक अहमद की करोड़ों की दस से ज्यादा सम्पत्तियों को प्रशासन ने कुर्क करने की कार्रवाई पूरी कर ली है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले 26 और 27 अगस्त को साठ करोड़ की सात सम्पत्तियों को पुलिस ने कुर्क किया था। जिसके बाद 14 सितम्बर तक छह और सम्पत्तियों को कुर्क किया जाना था। जिसके तहत ही ये कार्रवाई की गई है। वहीं पांच सितम्बर को अतीक के करीबी रिश्तेदार इमरान के अवैध कब्जे वाली दो बिल्डिंगों के ध्वस्तीकरण की भी कार्रवाई हो चुकी है। जबकि सात सितम्बर को खुद अतीक द्वारा नजूल भूमि पर अवैध रुप से नवाब युसूफ रोड पर बनाई गई बिल्डिंग को चार-चार जेसीबी मशीनें लगाकर पीडीए ने ढहा दिया है। फिलहाल बाहुबली के तिलिस्म को तोड़ने के लिए योगी सरकार के निर्देश पर पुलिस और प्रशासन की कार्रवाई अभी भी लगातार जारी है।

प्रदेश के सभी बार एसोसिएशन के चुनाव बार काउन्सिल के जारी माडल बाईलाज के तहत

प्रयागराज। बार कौंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश ने प्रदेश के सभी अधिवक्ता संघों से कहा है कि वह अपने यहां चुनाव में बार कौंसिल द्वारा जारी माडल बाईलॉज का पालन अवश्य करें। चुनाव इन्हीं बाईलॉज के तहत कराने होंगे तभी कौंसिल उनको मान्यता देगा। बार कौंसिल का यह भी कहना है कि जिन अधिवक्ताओं ने अब तक सर्टिफिकेट ऑफ प्रैक्टिस (सीओपी) नंबर नहीं प्राप्त किया है वह किसी भी अधिवक्ता संघ के चुनाव में न तो मतदान कर सकेंगे और न ही चुनाव लड़ सकेंगे। एल्डर कमेटी के सदस्य या किसी अन्य जिम्मेदार पद को भी नहीं संभाल पाएंगे। कौंसिल का कहना है कि जिन अधिवक्ताओं ने अब तक सीओपी नंबर नहीं प्राप्त किया है वह बार कौंसिल में आवेदन करके इसे प्राप्त कर लें। इसी प्रकार से जिन अधिवक्ताओं ने एआईबीई परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है वह बार कौंसिल में घोषणपत्र भर कर सीओपी नंबर प्राप्त कर लें। कौंसिल का कहना है कि बार कौंसिल ऑफ इंडिया की योजना है कि भविष्य में बिना सीओपी नंबर वालों को वकालत करने से रोक दिया जाएगा।

जिला प्रशासन ने पूर्व ब्लाक प्रमुख के कॉलेज को किया सील

नैनी। औद्योगिक क्षेत्र स्थित लावयन कला गांव निवासी दिलीप मिश्रा के कालेज को जिला प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए सील कर दिए।इस दौरान भारी तादाद में पुलिस फोर्स मौजूद रहे।

जानकारी के मुताबिक औद्योगिक क्षेत्र के लावयन कला गांव निवासी दिलीप मिश्रा जो विकासखंड चाका के पूर्व ब्लाक प्रमुख रह चुके हैं। जबकि उनकी पत्नी वर्तमान में अर्चना मिश्रा सदस्य जिला पंचायत हैं। बता दें कि बीते कई दिन पूर्व पुलिस ने उनके कॉलेज परिसर से एक शातिर अपराधी को गिरफ्तार करते हुए पूर्व ब्लाक प्रमुख दिलीप मिश्रा व उनके पुत्र को भी गिरफ्तार कर चालान कर दिए थे। बीते कुछ दिन पूर्व जिलाधिकारी पूर्व ब्लाक प्रमुख की संपत्ति को सील करने का आदेश दिया गया था। इसी कड़ी में गुरुवार शाम को करछना तहसीलदार अनिल कुमार व सीओ नृपेंद्र सहित औधोगिक क्षेत्र व करछना थाने की पुलिस फोर्स मौके पर पहुंचे और आदेश का पालन करते हुए कॉलेज को सील कर दिए।

कालेज सील करती पुलिस

हत्यारोपी के आजीवन कारावास की सजा बहाल

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने हत्या व जानलेवा हमले के आरोपी को सत्र न्यायालय बुलंदशहर द्वारा सुनाई गयी आजीवन कारावास व 50 हजार जुमार्ने सहित अन्य सजा को बहाल रखा है। कोर्ट ने कहा है कि सत्र न्यायालय ने अपराध के अनुरूप सही सजा सुनाई है। अपीलार्थी तुषार उर्फ गोलू एक दिसम्बर 12 से जेल मे बंद है। वह जेल मे ही रहे और सुनाई गयी सजा पूरी करे। यह फैसला न्यायमूर्ति सुनीत कुमार तथा न्यायमूर्ति आर एन तिलहरी की खंडपीठ ने तुषार की सजा के खिलाफ दाखिल अपील को खारिज करते हुए सुनाया है। मालूम हो कि 30 नवम्बर 12 को तुषार जान से मारने की नीयत से कपिल के घर आया और उस पर तमंचे से फायर कर दिया। गाव के लोग दौडे तो भाग गया।घायल कपिल ड्राइवर राहुल कुमार के साथ कार से अनूपशहर जा रहा था। पिरोली गाव के पास कार ओवर टेक कर तुषार ने कपिल पर फिर फायर किया। गोली ड्राइवर को भी लगी। जिला अस्पताल बुलंदशहर ले जाया गया, वहां से दिल्ली रेफर किया गया। किन्तु बचाया न जा सका। मृतक कपिल की पत्नी व परिवार के लोग शादी मे लखनऊ गये थे। फोन पर सूचना दी गयी। चश्मदीद गवाह एवं परिस्थितिजन्य साक्ष्यों पर विचार करते हुए हाईकोर्ट ने सत्र न्यायालय की सजा को सही करार दिया है।

नेहरू युवा केंद्र, नमामि गंगे परियोजना अन्तर्गत हुए विभिन्न कार्यक्रम

कार्यक्रम के तहत पौधारोपण, गंगा स्वच्छता अभियान, मास्क वितरण एवं प्रमाण पत्र वितरण किया गया

प्रयागराज। नेहरू युवा केंद्र, नमामि गंगे परियोजना प्रयागराज के अंतर्गत आज विकास खण्ड कौड़िहार ग्राम सभा सराय दादन में गुरूवार को कई कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमे पौधारोपण, गंगा स्वच्छता अभियान , मास्क वितरण एवं प्रमाण पत्र वितरण महत्वपूर्ण रहा। पौधारोपण हेतु प्रभागीय वन अधिकारी वाई पी शुक्ला ने 2000 पौधे उपलब्ध कराये। नेहरू युवा केंद्र की जिला युवा समन्वयक जागृति पांडे, नमामि गंगे जिला परियोजना अधिकारी एषा सिंह नमामि गंगे, स्पेयरहेड टीम मेंबर एवं स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर राजेंद्र कुमार तिवारी दुकान जी, राज्य प्रशिक्षक महेश द्विवेदी की खास मौजूदगी में संपन्न किया गया । पौधारोपण कार्यक्रम सीता कुंड भैरव घाट पर ग्रामीणो, गंगा दूत के सहयोग के साथ गंगा के तट पर किया गया । साथ ही 2 महीनों से चल रहे पौधारोपण में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए चयनित गंगा दूतों और स्वयंसेवकों को प्रमाण पत्र देकर उनका प्रोत्साहन बढ़ाया गया। इस दौरान कार्यक्रम में गंगा स्वच्छता अभियान पर खास ध्यान दिया गया, जिसमें सोशल डिस्टेंसिंग के साथ दुकान जी और जिला परियोजना अधिकारी एषा सिंह ने नमामि गंगे परियोजना और गंगा स्वच्छता के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी और सभी को गंगा को साफ सुथरा बनाए रखने का निवेदन किया, जिसके तहत सफाई अभियान भी चलाया गया और घाट की सफाई की गई और गंगा को साफ रखने हेतु युवाओ से शपथ भी दिलवाया गया जिसमें कूड़ा कचरा ना फेंकने के लिए आग्रह किया गया। और वैश्विक बीमारी कोरोना के बारे जागरुक करके सभी उपस्थित लोगो को मास्क वितरित किया। कार्यक्रम के आयोजन में नेहरू युवा केंद्र के स्वयंसेवक दारा सिंह सरोज अभय सिंह, अरुण, गंगा दूत प्रतीक मान सिंह, विवेक कुमार, गुड्डू, गिरधारी लाल, अमित मिश्रा व अन्य ग्रामीण और युवाओं की सहभागिता रही।

उत्कृष्ट कार्य करने के लिए चयनित गंगा दूतों और स्वयंसेवकों को वितरित किया गया प्रमाण पत्र

रेलवे के निजीकरण निगमीकरण के खिलाफ लामबंदी

इरेफ और एनसीआर डब्ल्यू यू ने रात 9 बजे से नौ मिनट तक गांधी प्रतिमा बालसन चौराहे पर मशाल जलाकर किया विरोध प्रदर्शन

प्रयागराज। पूर्व मे नेशनल मूमेंट टू सेव रेलवे द्वारा घोषित कार्यक्रम के अनुसार प्रयागराज में इंडियन रेलवे इम्प्लाइज फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष कॉमरेड मनोज पाण्डेय के नेतृत्व में लोकतांत्रिक तरीके से, शान्तिपूर्ण रूप से शारीरिक दूरी बनाकर ठीक रात नौ बजे से नौ मिनट तक मशाल जलाकर नारे लगाकर, रेलवे के निजीकरण, निगमीकरण, एन पी एस के खिलाफ विरोध किया। विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व करते हुए कॉमरेड मनोज पांडेय ने कहा कि कि मोदी जनता की सवारी को बेचकर देश को पुनः गुलामी की तरफ ले जाना चाहती हैं । लेकिन हम देश भर के रेलवे कर्मचारियों को गोलबंद करते हुए छात्रों नौजवानों किसानों मजदूरों के साथ एकता बनाकर सरकार की जन विरोधी नीतियों के खिलाफ संघर्ष करेंगे। विरोध प्रदर्शन को सम्बोधित करते हुए इंडियन रेलवे इम्प्लाइज फेडरेशन राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ कमल उसरी ने कहा मोदी सरकार सिर्फ डराने का काम रही हैं लेकिन बेरोजगार युवाओं ने, मेहनत कश मजदूरों ने कर्मचारियों ने सरकार से डरने के बजाय सड़क पर उतर संघर्ष करने का निर्णय लिया है, छात्रों, युवाओं, किसानों इत्यादि मिलकर लड़ेगे यक ीनन जीतेगें।

कैंडिल जलाकर विरोध प्रदर्शन करते हुए

विरोध प्रदर्शन में नार्थ सेंट्रल रेलवे वर्कर्स यूनियन के केंद्रीय कोषाध्यक्ष कॉम संजय तिवारी, नार्थ सेंट्रल रेलवे वर्कर्स यूनियन के केंद्रीय सहायक महामंत्री सैय्यद इरफात अली, इफ्तिखार सहित कई अन्य लोग शामिल रहे।

कोविड 19 ने पूरे विश्व की दशा व दिशा बदल दिया : प्रो गुप्ता

प्रयागराज। कोविड-19 ने पूरे विश्व की दशा एवं दिशा को बदल दिया है, इसमें शिक्षा का क्षेत्र भी अछूता नहीं रहा। जो कि प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित है और एक चुनौती के रूप में विद्यमान है। उक्त विचार मुख्य वक्ता प्रो. एस.पी गुप्ता, पूर्व निदेशक, शिक्षा विद्याशाखा, उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विवि प्रयागराज ने गुरूवार को मुक्त विवि प्रयागराज की ओर से गुरूवार को नई शिक्षा नीति एवं समकालीन चुनौतियां विषय पर आयोजित राष्ट्रीय ऑनलाइन वेबकॉन में व्यक्त किया। उन्होंने सामाजिक एवं आर्थिक संकट, पर्यावरण तथा प्रौद्योगिकी विकास की चुनौती तथा शैक्षिक चुनौतियों के बारे में सचेत किया। प्रो. गुप्ता ने कहा कि आज शिक्षक-प्रशिक्षण में भी गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण नहीं हो पा रहा है जिसके कारण शिक्षा जगत में समस्यायें बढ़ती जा रहीं हैं। इसके समाधान की जरूरत है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षानीति इन सभी चुनौतियों से निपटने के लिए दृढ़संकल्पित है। अध्यक्षता करते हुये कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर कहा, यह दौर चर्चा और चिंतन का है। समय के अनुरूप सभी क्षेत्रों में बदलाव होता रहता है। इसी के अनुरूप शिक्षानीति भी बदलती है। उन्होंने प्राचीन शिक्षा पद्धति की महत्ता को प्रतिपादित करते हुए कहा कि दुनिया के लोग शिक्षा प्राप्त करने भारत आते थे, परन्तु अब इसके क्षरण के कारण भारत के लोग विदेश जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमें अपनी मेधा को पुनर्जीवन देना है। चरक सुश्रुत, गार्गी इत्यादि विद्वानों का आविर्भाव इसी धरा पर हुआ। हमें नयी पीढ़ी को इनके बारे में बताना चाहिये। प्रो. सिंह ने कहा कि समतायुक्त, विषमतामुक्त, समरसता युक्त तंत्र का विकास शिक्षानीति का मूल मंत्र है। कहा कि संस्कृत पढ़ना कठिन है, पढ़ लिये तो समझना कठिन है। समझ लिये तो समझाना कठिन है। लेकिन संस्कृत में सभी क्षेत्र विद्यमान है। जर्मनी के दीवार की तरह भाषा की दीवार भी टूट रही है। नई शिक्षा नीति किसी दल, सरकार की नहीं बल्कि पूरे राष्ट्र की है। इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक प्रो. पी.के पाण्डेय, सह संयोजक डॉ. जी.के द्विवेदी, आयोजन सचिव डॉ.दिनेश सिंह, सहसचिव डॉ.यू.एन तिवारी एवं आयोजक मंडल डॉ.नीता मिश्रा, परविन्द कुमार वर्मा, राजमणि पाल इत्यादि ने प्रतिभाग किया।

मुक्त विवि के कुलपति

अखण्ड भारत संदेश के लिए स्वामी श्री योगी सत्यम कियायोग आश्रम एवं अनुसंधान सस्थान झूंसी, प्रयागराज 211019 से प्रकाशित एवं रामा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1ए बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित।

मुद्रक/प्रकाशक

स्वामी श्री योगी सत्यम

पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से संबंधित विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा। आरएनआई नं0: UPHIN2001/9025

अंबेडकर विवि से अंग्रेजी में स्नातक डिग्री धारको को टीजीटी साक्षात्कार में शामिल होने का निर्देश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने आंबेडकर विश्वविद्यालय आगरा से प्राप्त सामान्य अंग्रेजी में स्नातक की डिग्री को टीजीटी अंग्रेजी विषय के लिए मान्य करार न देने के मामले में याचीगण को 10 सितम्बर को होने वाले साक्षात्कार में शामिल करने का निर्देश दिया है तथा याचिका पर चार सप्ताह में माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड और राज्य सरकार से जवाब मांगा है। इसे लेकर आशीष कुमार और अन्य अभ्यर्थियों ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की है। याचिका पर न्यायमूर्ति पंकज भाटिया ने यह आदेश दिया है। याचीगण का कहना था कि उन्होंने 2016 को विज्ञापित टीजीटी अंग्रेजी विषय के लिए आवेदन किया था। वह लिखित परीक्षा में सफल हुए और उनको साक्षात्कार में बुलाया गया। मगर साक्षात्कार में शामिल नहीं किया गया। बोर्ड का कहना है कि याचीगण के पास जो बीए की डिग्री है उसमें अंग्रेजी भाषा या अंग्रेजी साहित्य विषय के रूप में नहीं है जबकि विज्ञापन की शर्त है कि अंग्रेजी भाषा या अंग्रेजी साहित्य में कोई एक विषय के रूप में होना चाहिए। याचीगण का कहना था कि आंबेडकर विश्वविद्यालय का आर्डिनेंस है कि दाखिले के समय संस्कृत, हिंदी और सामान्य अंग्रेजी अनिवार्य विषय के रूप में शामिल होंगे। विश्वविद्यालय ने इस बात का प्रमाणपत्र भी दिया है कि उनकी सामान्य अंग्रेजी, अंग्रेजी भाषा विषय के समकक्ष है। याचीगण का यह भी कहना है कि इससे पूर्व की भर्ती में आंबेडकर विश्वविद्यालय से स्नातक करने वाले अभ्यर्थियों को चयन किया गया है और अंग्रेजी अध्यापक के रूप में काम भी कर रहे हैं। बोर्ड द्वारा दोहरा मापदंड अपनाया जा रहा है। कोर्ट ने इस मामले में बोर्ड से जानकारी मांगी थी। बोर्ड के अधिवक्ता का कहना था कि पूर्व की भर्ती में गलती से दो ऐसे लोगो की नियुक्ति की गई है जो आंबेडकर विश्वविद्यालय से स्नातक थे। मगर गलती को दोहराया नहीं जा सकता है।

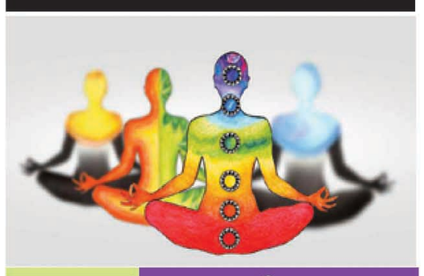

प्रयागराज शुक्रवार, 11 सितम्बर, 2020

क्रियायोग सन्देश

जीवन का लक्ष्य : सत् चित् आनंद

जीवन का लक्ष्य है कि हम अपने अस्तित्व को जाने और उसे आवश्यकता के अनुसार दृष्य या अदृश्य रूप में बनाए रखें । जब हम चित् के साथ एक हो जाते हैं तब हम अनंत ज्ञान, शक्ति, शांति, आनंद से जुड़ जाते हैं। सत् और चित् से जुड़ने के उपरांत, हम नित्य नये आनंद में निमग्न रहतें हैं।

मानव जीवन का लक्ष्य - सत्, चित् , व आनंद स्थिति की अनुभूति में बने रहना ।

प्रतिदिन हम अनगिनत कार्यों में लगे रहते हैं जिससे मन में विभिन्न प्रकार के भाव व विचार प्रकट होते हैं। किसी व्यक्ति को देख कर हमारे अंदर राग - द्वेष की भावना जागृत हो सकती है। ऐसी स्थिति में जब हम अपने स्वरूप में एकाग्रता बढ़ाते हैं, और स्वरूप में हो रहे अनेक परिवर्तनों को सद्भावना व सद्विचार के साथ स्वीकार करते हैं, तब हम आनंत ज्ञान, शक्ति और शांति से जुड़ जाते हैं। इन परिवर्तनों को ही वेदों की रिचाएं कहते हैं ।

दृष्य जगत का प्रत्येक दृश्य और आवाज आवश्यक न्यूट्रिशन से संयुक्त है जिस पर ध्यान बढ़ाने से हमारी जीवन शक्ति बढ़ती है और हम ज्ञान, शक्ति, शांति से जुड़ जाते है। इसी को तपस्यामय स्थिति कहते है और यही समत्व है । जिस समय हमें अपने इंद्रिया पर नियंत्रण नहीं हो पाता है, उस समय हम भूमध्य पर और माथे के सामने सूक्ष्म दृश्य पर ध्यान बढ़ाते हैं और हम सूक्ष्म शक्ति से जुड़ जाते हैं, हम ज्ञान और आनन्द से चार्ज हो जाते हैं। सूक्ष्म दृश्य पर एकाग्रता बढ़ाने पर हम अनंत शांति की अनुभूति करते हैं।

वैज्ञानिक अनुसंधान में निमग्न वैज्ञानिक लोग अपने अन्तःकरण में एकाग्र होकर अनेक खोज किए हैं। आधुनिक वैज्ञानिक जगत के पिता सर आईजैक न्यूटन ने अनेक अद्भुत अनुसंधान किसी पुस्तक को पढ़कर या किसी का भाषण सुन कर खोज नहीं किया।? स्वयं के अस्तित्व में एकाग्र होने अनेक रहस्यों का खोज हुआ है।

हम सब भी एक वैज्ञानिक की तरह कर्म करते हुए स्वरूप में प्रकट हो रहे प्रत्येक परिवर्तन पर ध्यान लगाएं और उन्हें प्रेम पूर्वक स्वीकार करें। चाहे सुख हो या दुःख, कड़ा हो या ढीला हो सब को स्वीकार करें। प्रत्येक चित्र, आवाज, आवश्यक न्यूट्रिशन, शक्ति और ज्ञान से भरें हुयें हैं।

सौभाग्य से क्रियायोग ध्यान हमारे पास उपलब्ध है जो सत्य को जानने का श्रेष्ठतम वैज्ञानिक मार्ग है। क्रियायोग ध्यान से संपूर्ण समस्याएं स्थाई रूप से दूर हो जातीं हैं। एक ही जीवन में सारे इच्छाएं पूरी हो जाती हैं। सबसे महत्वपूर्ण यह है की हम जीवन का लक्ष्य,- सत्-चित् आनंद को प्राप्त कर लेते हैं ।

EVEN-MINDED LIVING FOR EXISTENCE, CONSCIOUS-NESS AND BLISS is OMNIPOTENT NUTRITION

File Photo

The aim of our life is to maintain our existence. Our existence is maintained through our constant connection with Consciousness that is an Infinite reservoir of Knowledge, Power, Peace and Bliss. Experiencing true knowledge is Bliss. Therefore, ultimate aim of human being is to realize Existence with Consciousness that brings Bliss.

How can we achieve this aim of life?

Through our daily egoistic activities we are faced with many conditions and situations which can arouse various emotions and sentiments within us. We may see someone and be filled with attachment or aversion due to circumstances of our own. If, however, our concentration can be placed not on the object of attachment and aversion but on the perceptions that we feel within our body from head to toes, then we will become saturated with Omnipotent nutrition. From this practice of self-observation and concentration, we will receive all knowledge, power and peace that we require.

In order to help us maintain even-mindedness during the process and manage the control of sensory perceptions, we may, at times, disconnect from the object of senses by shutting off our sense organs - eyes, ears, nose, tongue and skin. For example, if we dislike what we see, we may close our eyes and place our focus at the center of our forehead point – Bhrumadhya. By keeping our concentration in this space in front of forehead, the vision that we see in this space will saturate us with Omnipotent nutrition that will prevent us from being discharged through emotions of attachment and aversion.

In this way, many great scientists have been able to make great discoveries. Newton did not make new discoveries through reading books or listening to lectures, but by being with self. Through being one with self-perception, many ideas evolve from within. The best of books and inventions have come through this scientific discipline.

We should decide to work like a scientist - to live under all conditions of comforts and discomforts, accepting each as an infinite source of everything that is essential for our well-being. Then, we can be the recipient of the highest Omnipotent nutrition which is present everywhere. Only by our joyful and unbiased connection with the Consciousness around us, that has shaped itself in all visible and invisible forms, can we be filled with the Infinite knowledge, power and peace that is the Consciousness.

We are fortunate to have the Royal scientific technique of Kriyayoga, available to us today. The practice of Kriyayoga can solve all problems of life permanently. In one lifetime, all dreams and desires of incarnations can be fulfilled. And most importantly, we can attain the ultimate aim of maintaining our Existence, connected with Consciousness which is one with Bliss.